























## परीक्षा में सुधार जरूरी

नीट पेपर लीक केस में सरकार एक्शन मोड में दिख रही है और वह इस मामले में ताबड़तोड़ गिरफ्तारी कर रही है। लेकिन अगर लीक होने से पहले ही इसका पता चल जाता, तो बेहतर होता। क्योंकि विपक्ष सरकार पर हमलावर हो रहा है और कह रहा है कि सरकार ने युवाओं को भविष्य के साथ खिलवाड़ कर दिया है। विपक्ष का यह आरोप सही भी है, क्योंकि आज के युवा ही कल के भारत के कर्णधार हैं। अगर हर साल ऐसा ही होता रहा, तो अधिकतर विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षा ही छोड़ देंगे। अगर ऐसा हुआ, तो सरकार अधिकारी कहाँ से लाएगी। इसलिए सरकार को इस बात पर गंभीर मंथन करना चाहिए और ऐसी नीति बनानी चाहिए कि पेपर लीक ही न हों। हालाँकि सरकार ने सोमवार को 10वीं गिरफ्तारी कर ली है और सीबीआई ने महाराष्ट्र के लातूर से केमिस्ट्री कोचिंग डायरेक्टर शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार रविवार को सीबीआई की तलाशी के दौरान रघुनाथ के मोबाइल से नीट यूजी का लीक पेपर बरामद हुआ। सरकार को अब और मजबूती के साथ प्रतियोगी परीक्षाएं करवानी होंगी। नीट जैसी परीक्षाओं में पेपर लीक और धांधली रोकने के लिए एन्क्रिप्टेड डिजिटल पेपर लागू करनी चाहिए, जिसमें परीक्षा से कुछ मिनट पहले ही केंद्र पर पासवर्ड के जरिए पेपर फ्रिंट हों। इसके अलावा एआई आधारित सीसीटीवी मॉनिटरिंग और बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन जैसे कदम बहुत जरूरी हैं। प्रश्न पत्रों को ब्लॉकचेन तकनीक और एन्क्रिप्शन के जरिए डिजिटल लॉक किया जाए। कंप्यूटर-बेस्ड टेस्टिंग मोड या हाइब्रिड मोडल को बढ़ावा दिया जाए, जिससे शारीरिक रूप से पेपर ले जाने की आवश्यकता न पड़े। पेपर लीक करने वालों के खिलाफ सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम के तहत सख्त सजा (10 साल तक की कैद और भारी जुर्माना) सुनिश्चित की जाए। पेपर ले जाने वाले सभी वाहनों की लाइव जीपीएस ट्रैकिंग हो और वे पुलिस सुरक्षा में रहें। डबल-लॉक सिस्टम वाले स्टूडेंट-रूम में पेपर रखे जाए और सीसीटीवी कैमरों की सीधी निगरानी केंद्रीय कंट्रोल रूम से हो। बायोमेट्रिक फिंगर प्रिंट्स, आइरिस्कैन (आँखों की स्कैनिंग) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस सीसीटीवी का उपयोग हो, ताकि सॉल्वर गैंग या मुन्ना भाई जैसे फर्जी उम्मीदवारों को पकड़ा जा सके। परीक्षा केंद्रों के आवंटन में लॉटरी सिस्टम अपनाया जाए और कॉर्पोरेट संस्थानों से जुड़े केंद्रों को बाहर रखा जाए। एक स्वतंत्र और केंद्रीय निगरानी संस्था का गठन किया जाए, जो परीक्षा के हर चरण (पेपर सेंटिंग से लेकर रिजल्ट तक) की ऑडिट कर सके और परीक्षा प्रक्रिया में इंसानी दखल को कम से कम करके पूरी तरह से स्वचालित और केंद्रीकृत व्यवस्था बनाई जाए, ताकि ऐसी परीक्षाओं में सुधार हो सके। इस बात से असहमत नहीं हुआ जा सकता कि अगर हर साल ऐसा ही होता रहा, तो अधिकतर विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षा ही छोड़ देंगे, उनका भविष्य खराब होगा।

## तेल से लेकर महंगाई तक की बढ़ेगी मार

ईरान युद्ध की वजह से दुनिया में ऊर्जा संकट लगातार बढ़ता जा रहा है। यह संकट एक नए और ज्यादा खतरनाक दौर में पहुंचता दिख रहा है। दुनिया के करीब 80 देशों ने अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए इमरजेंसी कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। सबसे बड़ी चिंता होर्मुज स्ट्रेट को लेकर है, जहां से तेल और गैस की सप्लाई अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाई है। फाइनेंशियल टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में इसे लेकर चेतावनी दी है। फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर जल्द हालात नहीं सुधरे तो कच्चे तेल की कीमतों में फिर भारी उछाल आ सकता है।



कंड मैनेजमेंट कंपनी एबरडीन के मुख्य अर्थशास्त्री पाल डिगल ने कहा कि उनकी टीम ऐसे हालात पर नजर रख रही है, जिसमें ब्रेंट क्रूड आयल 180 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है। अगर ऐसा हुआ तो कई देशों में महंगाई तेजी से बढ़ेगी और मंदी का खतरा पैदा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया फिलहाल उधार के समय पर चल रही है। गर्मी का मौसम शुरू होने के कारण एयर कंडीशनर का इस्तेमाल और हवाई यात्राएं बढ़ रही हैं। इससे पेट्रोल, डीजल, जेट फ्यूल और कच्चे तेल की मांग तेजी से बढ़ रही है। दूसरी तरफ दुनिया भर में तेल का भंडार रिजर्व स्टॉक पर तेजी से घट रहा है। आस्ट्रेलिया ने ईंधन और खाद के भंडार बढ़ाने के लिए 10 अरब डॉलर खर्च करने का फैसला किया है। पॉस ने कहा है कि वह अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए मदद का दायरा और बढ़ाएगा। वहीं भारत ने लोगों से अपील की है कि वे सोना कम खरीदें और विदेश यात्राओं से बचें, ताकि देश का विदेशी मुद्रा भंडार सुरक्षित रहे।

**पांच शर्तों की वजह से अमेरिका-ईरान में नहीं बन रही बात**  
ईरान और अमेरिका के बीच तनाव अभी भी कम नहीं हुआ है। युद्धविराम के बाद दोनों देश फिर से शांति वार्ता शुरू करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन दोनों ने एक-दूसरे के सामने सख्त शर्तें रख दी हैं। ईरान की फर्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, अमेरिका ने ईरान के सामने पांच बड़ी मांगें रखी हैं। अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने पास मौजूद 400 किलो हाई-एनरिज यूरेनियम सौंप दे। अमेरिका का कहना है कि ईरान सिर्फ एक न्यूक्लियर फ़ैसिलिटी चालू रखे और बाकी परमाणु गतिविधियों को सीमित करे। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका युद्ध में हुए नुकसान का कोई मुआवजा नहीं देगा। इसके अलावा अमेरिका ईरान की विदेशों में जमा पूरी रकम भी वापस करने के लिए तैयार नहीं है। अमेरिका 25: से भी कम राशि जारी करना चाहता है। अमेरिका की एक और शर्त यह है कि बातचीत के दौरान क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां कम की जाएं और आगे की कार्रवाई बातचीत की प्रगति के हिसाब से तय हो। इसके जवाब में ईरान ने भी अपनी पांच शर्तें रख दी हैं। ईरान ने कहा है कि वह तभी बातचीत करेगा जब पूरे क्षेत्र में सैन्य कार्रवाई बंद होगी। खासतौर पर लेबनान में चल रही सैन्य गतिविधियां खत्म करनी होंगी। ईरान ने अमेरिका से सभी आर्थिक प्रतिबंध हटाने की मांग की है।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी यानी आईईए के मुताबिक, मार्च के अंत तक 55 देशों ने इमरजेंसी कदम उठाए थे, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर 76 हो गई है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर आने वाले कुछ हफ्तों में युद्ध खत्म नहीं हुआ और होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह नहीं खुला, तो दुनिया मंदी की तरफ जा सकती है। यूरोपीय संघ के ट्रांसपोर्ट कमिश्नर अपोस्टोलोस त्जिज्जिक्कोस्तास ने भी कहा कि हालात खतरनाक होते जा रहे हैं। आईईए के

मुताबिक मार्च से जून के बीच दुनिया में तेल की खपत उत्पादन से करीब 60 लाख बैरल प्रतिदिन ज्यादा रही है। कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह कमी 80 से 90 लाख बैरल प्रतिदिन तक हो सकती है। इस कमी को पूरा करने के लिए सरकारों और कंपनियों अपने पुराने तेल भंडार तेजी से इस्तेमाल कर रही हैं। युद्ध शुरू होने के बाद से दुनिया के तेल भंडार में करीब 38 करोड़ बैरल की कमी आ चुकी है। सरकारें अपने इमरजेंसी रिजर्व से रोज 20 लाख बैरल से ज्यादा तेल बाजार में भेज रही हैं, लेकिन यह व्यवस्था जुलाई तक खत्म हो सकती है। अगर हालात और बिगड़े तो कई देशों में पेट्रोल-डीजल की राशनिंग शुरू हो सकती है। फ़ैक्ट्रियां बंद हो सकती हैं और सप्लाई चेन पर बड़ा असर पड़ सकता है। फिलहाल ब्रेंट क्रूड की कीमत 105 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चल रही है। लेकिन एक्सपर्ट्स का कहना है कि मांग कम करने के लिए कीमतों का और ज्यादा बढ़ना पड़ सकता है। पाकिस्तान, श्रीलंका और फिलीपींस जैसे देशों में पहले से ईंधन संकट दिखने लगा है। इन देशों में अस्थायी तौर पर चार दिन का बर्किंग वीक लागू किया है। सबसे ज्यादा असर पेट्रोकेमिकल और एविएशन सेक्टर पर पड़ रहा है। कई रिफाइनरी कंपनियां महंगा तेल खरीदने से बच रही हैं और पुराने स्टॉक का इस्तेमाल कर रही हैं। उन्हें उम्मीद है कि युद्ध जल्द खत्म होगा। हालांकि कुछ अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि आने वाले समय में तेल की सप्लाई सुधर सकती है और कीमतें फिर 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ सकती हैं। लेकिन अगर तेल 150 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर गया, तो दुनिया को भारी महंगाई, सप्लाई संकट और मंदी का सामना करना पड़ सकता है।

## श्रीमुख से...

### अराजकता के विरुद्ध सख्त हो जाना चाहिए

सरकारों को ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए, जिससे संकीर्ण राजनीति, धार्मिक भेदभाव या जातीय द्वेष का आरोप लगे, भारत की दुनिया भर में अच्छी और अनोखी मानवतावादी पहचान बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के संविधान से है, जो पूरी तरह धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत पर आधारित है। संविधान सभी धर्मों के लोगों को एक-समान आदर-सम्मान, जान-माल और मजहब की आजादी की सुरक्षा सुनिश्चित करता है, उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद सरकारों को अराजकता के विरुद्ध सख्त हो जाना चाहिए, ताकि किसी भी सरकार पर संकीर्ण राजनीति, धार्मिक भेदभाव, जातीय द्वेष व पक्षपात का दोष न लगे। यह अति-चिंता की बात होनी चाहिए, जनहित में बनाए गए कानूनों का अनुपालन सभी धर्मों के लोगों पर एक समान रूप से होना चाहिए, संविधान और कानून की मान-मर्यादा बनाए रखना जरूरी है।



श्रीश्री मायावती, अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी

## अपने विचार रखें...

शाह टाइम्स अपने पाठकों के साथ ही वरिष्ठ स्तंभकारों, लेखकों को सम्पादकीय पेज हेतु आलेख अथवा जनमानस से जुड़े मुद्दों पर अपनी राय भेजने के लिए आमंत्रित करता है, सम्पादकीय पेज पर प्रकाशित किसी भी लेख से सम्पादक अथवा संस्थान का सहमत होना आवश्यक नहीं है, यह लेखक के अपने निजी विचार होते हैं।

फ्रीचर डेस्क, शाह टाइम्स

पत्राचार: सुजडू चुंगी, मेरठ रोड मुजफ्फरनगर-251003  
E-mail: Dainikshaahtimes@gmail.com

## केरलम: सतीशन ने वेणुगोपाल को पछाड़ा

केरलम के नए मुख्यमंत्री की रेस में सतीशन के अलावा वरिष्ठ नेता को सी। वेणुगोपाल और रमेश चैनिथला भी शामिल थे, लेकिन लगातार मंथन के बाद सतीशन के नाम पर मुहर लगी। चुनाव परिणाम आने के बाद से ही सहयोगी दलों ने खुलकर सतीशन का समर्थन किया था। उन्हें पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और केरल कांग्रेस (जोसफ) जैसे सहयोगी दलों का भी समर्थन था। दोनों दल खुलकर सतीशन के समर्थन में थीं। मुख्यमंत्री की रेस में वेणुगोपाल को पीछे छोड़ने वाले सतीशन केरलम कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और प्रख्यात वकील भी हैं। वकालत की दुनिया से सक्रिय राजनीति में आए सतीशन के बारे में कहा जाता है कि वह अपने कार्यकर्ताओं के बीच खासे लोकप्रिय हैं। वह जमीनी स्तर पर काम करने के लिए जाने जाते हैं। वह एर्नाकुलम जिले की परावुर विधानसभा सीट से विधायक हैं। साल 2001 में वह परावुर सीट से पहली बार विजयी हुए थे। इसके बाद से वह इस सीट पर लगातार अजेय बने रहे। सतीशन ने 2001 में पहली जीत हासिल करने के बाद 2006, 2011, और 2016 में भी जीत हासिल की। फिर 2021 के चुनाव में विजय हासिल करने हुए जीत का पंजा लगाया। 2026 में उन्होंने इस सीट पर अपनी छठी सीट पर जीत दर्ज कराई। शुरुआत में परावुर सीट नार्थ परावुर सीट ही थी। हालांकि वह स्कूल की जीवन से ही छात्र राजनीति में आ गए थे और



लगातार सक्रिय रहे। वह MG यूनवविमिटी यूनियन के चेयरमैन रहे, जो कांग्रेस की युवा शाखा, केरल स्टूडेंट्स यूनियन का प्रतिनिधित्व करती है। बाद में वे कांग्रेस की राष्ट्रीय छात्र शाखा छैन के सचिव बने। वह मजदूर नेता भी रहे। वे कोचीन के औद्योगिक क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक श्रमिक संघों के अध्यक्ष रहे हैं। कांग्रेस के अंदर उनकी सक्रियता भी लगातार बनी रही। सतीशन केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी सदस्य होने के अलावा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के चुनाव में विजय हासिल करने हुए जीत का पंजा लगाया। 2026 में उन्होंने इस सीट पर अपनी छठी सीट पर जीत दर्ज कराई। शुरुआत में परावुर सीट नार्थ परावुर सीट ही थी। हालांकि वह स्कूल की जीवन से ही छात्र राजनीति में आ गए थे और

धिक मामले हैं, जिनमें से 7 मामले गंभीर प्रकृति के हैं। केरल के मुख्यमंत्री के नाम को चुनने में देरी पर पीएम मोदी के बयानों पर कांग्रेस नेता रमेश चैनिथला ने जवाब दिया है। चैनिथला ने पीएम मोदी को बंद दिलाया कि बीजेपी ने खुद दिल्ली में सीएम चुनने में 50 दिन लगाए थे। उन्होंने कांग्रेस को लोकतांत्रिक बताया और कहा कि बीजेपी में हाई कमान ही सभी फैसले लेता है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चैनिथला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि पीएम मोदी को दिल्ली में अपनी ही पार्टी के में हूई देरी लीडरशिप चुनने के इतिहास को लेकर शायद याददाश्त चली गई है। केरल के मुख्यमंत्री के चुनने में हो रही देरी को लेकर पीएम के तंज का उन्होंने जवाब दिया। चैनिथला ने कहा कि भाजपा ने खुद दिल्ली में अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को चुनने में 50 दिनों की देरी की थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी पार्टी के कामकाज में एक पूरी तरह से लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करती है। कांग्रेस में किसी तरह की 'तानाशाही' व्यवस्था के लिए कोई जगह नहीं है। इसके विपरीत भाजपा में पीएम मोदी और अमित शाह ही पार्टी के सभी फैसले लेते हैं। चैनिथला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को याद रखना चाहिए कि दिल्ली में मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान करने में उन्हें 50 दिन लगे थे। अब जाकर मुझे एहसास हुआ है कि पीएम मोदी की याददाश्त शायद कमजोर हो गई है।

## चीन यात्रा को लेकर खुलकर नहीं बोल पा रहे हैं डोनाल्ड ट्रम्प

आमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपनी तीन दिवसीय चीन के दौरे को लेकर अब तक खुलकर नहीं बोल रहे हैं। ट्रम्प जब तीन दिन के चीन दौरे पर रवाना हो रहे थे, तब उनकी हालत देखकर चीन के लोगों को माओत्से तुंग की बात याद आ रही थी। बात सितम्बर 1958 की है। ताइवान पर कब्जा करने के लिए चीन ने हमला किया था और अमेरिका ने ताइवान की मदद के लिए अपनी नौसेना का बेड़ा साउथ चाइना सी में उतार दिया था। उस वक्त माओत्से तुंग ने कहा था कि अगर अमेरिका ने अपनी आक्रामक और युद्धकारी नीतियां जारी रखीं, तो वो दिन दूर नहीं, पूरी दुनिया उसे सूली पर लटकवा देगी और अमेरिका के सहयोगियों का भी यही अंजाम होगा। दरअसल, चीन दौरे से पहले ट्रम्प का हाल कुछ ऐसा ही था। ईरान युद्ध में अमेरिका अकेला फंसा था। सहयोगी देशों ने पल्ला झाड़ लिया था और ऐसे में ट्रम्प को चीन की याद आई। तीन दिन तक ट्रम्प, उनकी कैबिनेट के तीन बड़े मंत्री और 30

अमेरिकी उद्योगपति बीजिंग में मॉटिंग, चैटिंग और ईटिंग करते रहे। कैपिटल एयरपोर्ट पर उस दिन अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन का विमान लैंड कर चुका था। चीन के प्रधानमंत्री चाउ एनलाई राष्ट्रपति निक्सन और फर्स्ट लेडी पैट्रिसिया निक्सन का स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट पर मौजूद थे। ग्लोबल डिप्लोमेसी के लिए वो ऐतिहासिक दिन था, क्योंकि दुनिया के सबसे बड़े पूंजीवादी देश अमेरिका ने कम्युनिस्ट चीन के लिए अपने दरवाजे खोल दिए थे। राष्ट्रपति निक्सन का चीन दौरा सामान्य नहीं था। ये मजबूरी का दौरा था। अमेरिका 17 साल से वियतनाम युद्ध में फंसा हुआ था। राष्ट्रपति निक्सन वियतनाम युद्ध से बाहर निकलना चाहते थे और उन्हें अच्छी तरह मालूम था कि चीन की मदद के बिना वियतनाम युद्ध खत्म नहीं हो सकता। ये बात उन्होंने चीन की यात्रा पर जाने का ऐलान करने से पहले ही कबूल कर ली थी। राष्ट्रपति निक्सन को चीन से मदद चाहिए थी, इसलिए अमेरिका से चीन को उड़ान भरते समय वो पूरे रास्ते कूटनीतिक सौदे की लिस्ट बनाते रहे कि चीन को बदले



में क्या दिया जा सकता है? कम्युनिस्ट चीन उस समय अमेरिका और पश्चिम देशों के लिए अछूत था। अमेरिका ने चीन को मान्यता तक नहीं दी थी। चीन की आर्थिक हालत खराब थी। राष्ट्रपति निक्सन ने कम्युनिस्ट चीन को आर्थिक मदद और पूंजी निवेश का भरोसा दिया। साथ ही चीन का भरोसा जीतने के लिए वो वहां की जनता, संस्कृति और इतिहास का बखान करते रहे। अमेरिका और चीन के रिश्तों का वर्तमान एक बार फिर अतीत की दहलीज पर खड़ा था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प लगभग रिचर्ड निक्सन वाले हालात में ही चीन के दौरे पर पहुंचे। निक्सन को वियतनाम युद्ध के दलदल से बाहर निकलना था, तो ट्रम्प ईरान युद्ध में बुरी तरह फंसे हुए थे। होर्मुज स्ट्रेट बंद करके ईरान अपनी शर्तों पर समझौता करने की जिद

पर अड़ा था। राष्ट्रपति ट्रम्प को मालूम था कि ईरान का मसला चीन को साथ लिए बिना नहीं सुलझने वाला। हालांकि ट्रम्प का लहजा चीन पर एहसान लादने जैसा ही था। याद कीजिए कि चीन दौरे पर रवाना होने से पहले उन्होंने क्या कहा था। ट्रम्प ने कहा था कि ईरान के पीछे चीन खड़ा है। युद्ध में ट्रम्प के इकलौते पार्टनर इजरायल के राष्ट्रपति बेंजा. मिन नेतन्याहू भी उसी दिन ये बात चुके थे कि ईरान की अकड़ के पीछे असली ताकत चीन की ही है। राष्ट्रपति ट्रम्प के चीन दौरे के एजेंडा में ईरान युद्ध और होर्मुज पहले नंबर पर था। सवाल सिर्फ ये था कि ईरान पर चीन से दबाव डलवाना है, तो बदले में ट्रम्प चीन को क्या दे सकते हैं? इस सवाल का जवाब किसी के पास नहीं था। राष्ट्रपति ट्रम्प के पास भी नहीं, लिहाजा उन्होंने चीन की तारीफों के पुल बांधने शुरू कर दिए। ईरान के मसले पर ट्रम्प को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मायूस कर दिया। उन्होंने ईरान को कोई संदेश देने के बजाय सिर्फ इतना कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से टोल नहीं वसूला जाना चाहिए और ना ही फारस की

खाड़ी को जंग का मैदान बनाना चाहिए। चीन का इशारा अमेरिका की ओर ही था, जिसकी नौसेना ने ईरान की समुद्री नाकाबंदी कर रखी है। राष्ट्रपति ट्रम्प ईरान और चीन की जिस रणनीतिक दोस्ती को खत्म करना चाहते हैं, उस दोस्ती का जन्म ही ट्रम्प की वजह से हुआ। ये सिलसिला ट्रम्प के पहले कार्यकाल में शुरू हुआ। राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान के साथ परमाणु समझौता रद्द कर दिया था। ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों को मार बढ़ती जा रही थी। उस वक्त ट्रम्प को उनके सलाहकारों ने बताया कि ईरान का 80 प्रतिशत तेल चीन ही खरीद रहा है। लिहाजा ट्रम्प ने चीन पर दबाव बनाना शुरू कर दिया कि वो ईरान से तेल खरीदना बंद कर दे। खबर थी कि अमेरिका से टकराव टालने के लिए चीन ऐसा करने के बारे में सोच रहा है। लेकिन, दो महीने बाद ही जुलाई 2019 में राष्ट्रपति ट्रम्प ने चीन की सरकारी तेल कंपनियों पर पाबंदी लगाते का ऐलान कर दिया। ट्रम्प सरकार के इसी फैसले ने चीन को उकसा दिया। इसके बाद चीन को अमेरिका की दादागिरी बर्दाश्त नहीं थी।



नॉर्वे। ओस्लो पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए।

**ट्रम्प ने चीन से 17 अरब डॉलर के वार्षिक कृषि उत्पाद खरीदने का वादा किया**  
**वाशिंगटन।** अमेरिका और चीन ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके तहत चीन ने अगले तीन वर्षों तक प्रतिवर्ष कम से कम 17 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के अमेरिकी कृषि उत्पाद खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। यह अक्टूबर 2025 में की गई सोयाबीन संबंधी पूर्व प्रतिबद्धताओं के अतिरिक्त है। व्यापार के अलावा यह समझौता दो नए द्विपक्षीय तंत्रों, अमेरिका-चीन व्यापार बोर्ड और अमेरिका-चीन निवेश बोर्ड की स्थापना भी करता है, जिनका उद्देश्य राष्ट्रपति ट्रम्प की चीन यात्रा के बाद आर्थिक सम्बन्ध को मजबूत करना है। दोनों पक्षों ने ईरान, उत्तर कोरिया और होमजुंग जलजलमरुमध्य सहित प्रमुख भू-राजनीतिक मुद्दों पर भी सहमति के संकेत दिए हैं।

**एफआरआरओ से जुड़े शेल्टर होम से चार अफ्रीकी महिलाएं फरार**

**बेंगलुरु।** विदेशी नागरिकों के लिए यहां बने सरकारी निगरानी वाले शेल्टर होम में रह रही चार अफ्रीकी महिलाओं के खिड़की तोड़कर परिसर से भाग जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि यह घटना 11 मई को तड़के तीन बजे से सुबह छह बजे के बीच उत्तरी बेंगलुरु के डोड्डागुम्बे में 'न्यू अर्क मिशन ऑफ इंडिया' संघा. लि. 'होम ऑफ होप' शेल्टर होम की है और एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी उन चारों अफ्रीकी महिलाओं का कोई पता नहीं चला है। रिपोर्टों के मुताबिक ये महिलाएं क्षेत्रीय विदेशी पंजीयन कार्यालय की देखरेख और निदेशों के तहत वहां रह रही थीं। शेल्टर होम के मैनेजर श्रीनिवास एन की दर्ज कराई शिकायत के अनुसार, इस संस्थान में 22 पुरुषों और 18 महिलाओं सहित कुल 40 विदेशी नागरिक रह रहे थे।

**भारत-स्वीडन के बीच संबंधों को नई ऊर्जा और गति मिलेगी: मोदी**

**दोनों देशों के बीच सुरक्षा, आर्थिक, प्रौद्योगिकी और नवाचार सहित छह क्षेत्रों में हुए समझौते**

**गोथेनबर्ग (स्वीडन)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत और स्वीडन के बीच सुरक्षा, आर्थिक, प्रौद्योगिकी और नवाचार सहित छह क्षेत्रों में हुए समझौतों और घोषणाओं से भारत-स्वीडन संबंधों को नई ऊर्जा और गति मिलेगी। स्वीडन की यात्रा पर गए मोदी ने रविवार देर रात स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की जिसके बाद दोनों देशों ने छह क्षेत्रों में सहयोग की घोषणा और समझौते किए। मोदी ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में विश्वास व्यक्त किया कि भारत-स्वीडन साझेदारी एक अधिक समृद्ध और भविष्य-दृष्टि संपन्न विश्व के निर्माण में सार्थक योगदान देगी। इन समझौतों और घोषणाओं के तहत दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का निर्णय लिया है। इसके अंतर्गत स्थिरता और सुरक्षा के लिए दोनों देश रणनीतिक संवाद करेंगे। उनके बीच अगली पीढ़ी की आर्थिक



**मुझे विश्वास है कि भारत व स्वीडन साझेदारी एक अधिक समृद्ध और भविष्य-दृष्टि संपन्न विश्व के निर्माण में सार्थक योगदान देगी: पीएम**

साझेदारी होगी। प्रौद्योगिकी के क्षेत्र और लोगों के बीच सहयोग को बल मिलेगा। दोनों देशों ने भारत-स्वीडन संयुक्त नवाचार भागीदारी 2-0 शुरू करने का भी निर्णय लिया है। भारत और स्वीडन संयुक्त रूप से प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरिडोर का विकास करेंगे। उन्होंने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को दोगुना करने पर सहमति व्यक्त की है। स्टार्ट अप और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने भारत-स्वीडन एसएमई और स्टार्ट अप प्लेटफॉर्म के विकास की भी घोषणा की। दोनों देशों ने विकास विरासत श्रृंखला के तहत टैगोर-स्वीडन व्याख्यान भी शुरू करने का निर्णय लिया। प्रधानमंत्री ने यूरोपीय उद्योग गोलमेज सम्मेलन में भारत की सुधारोन्मुख विकास यात्रा पर प्रकाश डाला और बताया कि यह अवसरचना, नवाचार, प्रौद्योगिकी सहित अनेक क्षेत्रों में नए अवसर प्रदान कर रही है।

**राजनाथ वियतनाम और कोरिया की यात्रा पर रवाना**

**नई दिल्ली।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रणनीतिक सैन्य सहयोग को गहरा करने, रक्षा औद्योगिक साझेदारियों को मजबूत करने तथा समुद्री सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सोमवार को वियतनाम और दक्षिण कोरिया की यात्रा पर रवाना हुए। रक्षा मंत्रालय ने आज बताया कि सिंह 18 से 19 मई तक वियतनाम की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे, जिसके बाद वह 19 से 21 मई तक दक्षिण कोरिया की यात्रा करेंगे। सिंह ने दोनों देशों की यात्रा पर रवाना होने से पहले सोशल मीडिया में एक पोस्ट में दोनों एशियाई देशों की यात्रा को लेकर उत्साह व्यक्त किया ताकि द्विपक्षीय सहभागिता के दायरे का और विस्तार किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस दौरान मुख्य ध्यान रणनीतिक सैन्य सहयोग को गहरा करने, रक्षा औद्योगिक साझेदारियों को मजबूत करने तथा समुद्री सहयोग को बढ़ावा देने पर होगा, जिससे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता को प्रोत्साहन मिलेगा। रक्षा मंत्री की वियतनाम यात्रा दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के 10 वर्ष पूर्ण होने का प्रतीक है, जिसे पांच से सात मई तक वियतनाम के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान उन्नत व्यापक रणनीतिक साझेदारी में परिवर्तित किया गया था।

**होमजुंग स्ट्रेट बंद होने से कतर का गैस निर्यात टप इकोनॉमी 8.6 प्रतिशत गिर सकती है, होमजुंग स्ट्रेट से ही होता है भारत का सबसे ज्यादा एलपीजी आयात**

**दोहा।** कतर फारस की खाड़ी में मौजूद एक छोटा-सा रिंगस्तानी देश था, जहां ज्यादातर लोग मोती निकालने और समुद्र से जुड़े छोटे-मोटे कारोबार पर निर्भर थे। फिर प्राकृतिक गैस ने इस देश की किस्मत पूरी तरह बदल दी। कतर ने 90 के दशक में बड़े पैमाने पर एलएनजी यानी लिक्विफाइड नैचुरल गैस बनाकर उसे होमजुंग स्ट्रेट के जरिए दुनियाभर में भेजना शुरू किया। इससे उसे हर साल अरबों डॉलर की कमाई होने लगी। सिर्फ 30 साल में वह दुनिया के सबसे अमीर देशों में शामिल हो गया, लेकिन 28 फरवरी के बाद अचानक सब बदल गया। जंग शुरू होने के बाद होमजुंग स्ट्रेट बंद हो गया और कतर की दुनिया तक पहुंच लगभग कट गई है। युद्ध और तनाव की खबरों ने पर्यटन और कारोबार पर भी असर डाला है। इससे उसे हर महीने का खतरा बढ़ गया है। भारत भी कतर से भारी मात्रा में प्राकृतिक गैस खरी. दता है। अलग-अलग रिपोर्टों के मुताबिक, भारत की कुल एलएनजी आयात का करीब 40 प्रतिशत से 47 प्रतिशत हिस्सा कतर से आया है। कतर में 1971 में नार्थ फोल्ड नाम का विशाल गैस भंडार मिला था। इसे दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस भंडारों में गिना जाता है। तब दुनिया में ज्यादातर देशों तक गैस पाइपलाइन के जरिए पहुंचाई जाती थी। समस्या यह थी कि कतर एक छोटा-सा खाड़ी देश है और उससे सीधे यूरोप या एशिया तक पाइपलाइन बिछाना बेहद महंगा और मुश्किल था। तब कतर ने एक बड़ा



**युद्ध और तनाव की खबरों ने पर्यटन और कारोबार पर भी असर डाला**

**इरान की हमले से कतर के रस लाफान को नुकसान**  
**दोहा।** कतर एनर्जी ने ईरानी हमलों और होमजुंग स्ट्रेट बंद होने की वजह से दो महीने से ज्यादा पहले रस लाफान में एलएनजी यानी तरलीकृत प्राकृतिक गैस का उत्पादन रोक दिया था। हाल के युद्ध ने इसे निशाना बनाया। मिसाइलों और ड्रोन हमलों में रस लाफान के कुछ महत्वपूर्ण उपकरणों को नुकसान पहुंचा, जिससे कतर की गैस उत्पादन क्षमता करीब 17 फीसदी घट गई। इसी वजह से यह इलाका अब कतर की सबसे बड़ी चिंता भी बन गया है। कतर का सबसे बड़ा गैस उत्पादन केंद्र रस लाफान लगभग बंद पड़ा है। वहां की सड़कें बंद कर दी गई हैं। राजधानी दोहा के दक्षिण में बने विशाल हमाद पोर्ट पर लॉडिंग क्रैन खामोश खड़ी हैं। जहाजों की आवाजाही लगभग रुक गई है। राजधानी के होटल, लॉजरी दुकानें और बाजार खामोश हैं। एशिया ग्रुप नाम की रणनीतिक सलाहकार कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर अहमद हेलाल ने कहा कि कतर की पूरी अर्थव्यवस्था गैस निर्यात पर टिकी हुई है। उनके मुताबिक कि आज कतर में जो कुछ भी दिखाई देता है, वह ऊर्जा से आई दौलत की वजह से बना है। दांव खेला। उसने अपनी प्राकृतिक गैस को लिक्विफाइड नैचुरल गैस कहलाती है। इससे गैस को पाइपलाइन की बजाय जहाजों से दुनियाभर में भेजना संभव हो गया। यहाँ से कतर एक ऊर्जा महाशक्ति बनकर उभरा। 1996 में जापान को 60 हजार टन एलएनजी की पहली खेप भेजी गई। इसके बाद उत्पादन तेजी से बढ़ा और 2010 तक कतर की क्षमता 7.7 करोड़ टन सालाना पहुंच

**मेक्सिको में 10 लोगों की गोली मारकर हत्या**

**मेक्सिको सिटी।** मेक्सिको के पुएब्ला राज्य में एक बड़े गोलीकांड में 10 लोगों की मौत हो गई। राज्य सरकार ने पुष्टि की कि मरने वालों में छह पुरुष, तीन महिलाएं और एक नाबालिग शामिल है। अधिकारियों ने अभी तक किसी पीड़ित का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। अधिक. रियों के मुताबिक, पड़ोसियों ने गोलीयों की आवाज सुनने के बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो घर के अंदर कई लोग गोली लगने से घायल मिले। एक महिला को अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। तेहुइलिंगो करीब 11300 आबादी वाला शहर है, जो मेक्सिको सिटी से लगभग 208 किमी पर है। मेक्सिको 11 जून से फीफा वर्ल्ड कप की सह-मेजबानि करने जा रहा है। मेक्सिको सिटी, मन्ट्रेरी और ग्वाडालाहरा में 13 मैच खेले जाएंगे। राष्ट्रपति क्लॉडिया शौनबाम 1 लाख सुरक्षा कर्मियों की तैनाती का एलान कर चुकी हैं। पुएब्ला सरकार ने कहा कि पीड़ितों पर हथियारबंद लोगों ने हमला किया। अब तक किसी गिरफ्तारी की जानकारी नहीं दी गई है। हमले की वजह भी सफ नहीं है। अधिकारी मामले की जांच



**मृतकों में 3 महिलाएं और एक बच्चा, हमलावर फरार, अगले महीने मेक्सिको में फूटबाल वर्ल्ड कप होना है**

कर रहे हैं। पुएब्ला के गवर्नर अले. जाद्रो अमेंटा ने भी अब तक इस घटना पर कोई बयान नहीं दिया है। मामले की जांच में नेशनल गार्ड, राज्य का अटॉर्नी जनरल आफिस, राज्य और स्थानीय पुलिस के साथ इंटरलैजेंस टीमों भी शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि हमले के पीछे कौन है, इसका पता लगाने की कोशिश की जा रही है। मध्य मेक्सिको में हाल के महीनों में ड्रग कार्टेल से जुड़ी हिंसा बढ़ी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके चलते 800 से 1,000 परिवार घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। मेक्सिको में ड्रग कार्टेल के लौटने के मौत से नाराज शर्मिल चालक दल के सदस्य वालाटो इलाकों में आगजनी की



**सैयामी खेर ने साझा किया दिल छू लेने वाला नोट**

**मुंबई।** अभिनेत्री सैयामी खेर ने फिल्ममेकर विक्रम फडनीस की आगामी अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग पूरी करने पर इस्टाग्राम पर एक भावुक और बेहद निजी नोट साझा किया है। इस फिल्म में ताहिर राज भसीन और विनीत कुमार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अपने इस सफर को याद करते हुए सैयामी ने आभार जताया कि उन्हें एक बार फिर ऐंसा किरदार निभाने का मौका मिला जो कहानी का मजबूत और अहम हिस्सा है। उन्होंने इस फिल्म को अपने दिल के बेहद करीब बताया। भावनात्मक और परफॉर्मंस आधारित फिल्मों को चुनने के लिए पहचानी जाने वाली सैयामी ने विक्रम फडनीस की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने सेंट पर बेहद स्नेह, ईमानदारी और अपनापन भर माहौल बनाया।

**ईरान को चारों तरफ से घेरने की तैयारी**

**ट्रम्प ने संकेतात्मक तस्वीर साझा की, नक्शे से दोनों के बीच फिर जुबानी जंग तेज हुई**

**वाशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ईरान को निशाना बनाकर सोमवार को सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक नक्शे से दोनों देशों के बीच फिर से जुबानी जंग तेज हो गई है। पश्चिमी एशिया के इस नक्शे पर अमे. रिकी झंडा लगा हुआ था और कई दिशाओं से लाल रंग के तीर ईरान की तरफ इशारा कर रहे थे। ट्रम्प द्वारा अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पर साझा किए गए नक्शे के साथ हालांकि कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया था, लेकिन इस दृश्य को रणनीतिक दबाव बनाने के संदेश के रूप में देखा जा रहा है। इसमें कई लाल तीर ईरान की तरफ बढ़ते दिख रहे हैं, जिसका सीधा मतलब ईरान को चारों तरफ से घेरने का संकेत देना है। यह भड़काऊ तस्वीर ट्रम्प द्वारा रविवार को दुथ सोशल पर साझा किए गए एक संदेश के बाद आई है, जिसमें उन्होंने लिखा था कि ईरान के



**ट्रम्प ने इजरायल के पीएम नेतन्याहू से फोन पर बात करने के तुरंत बाद यह पोस्ट साझा की**

लिए उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। उन्हें बहुत तेजी से कदम बढ़ाने होंगे, वरना उनका वजूद ही नहीं बचेगा। उन्होंने जोर देकर कहा था कि अमेरिका को एक चौथाई से अधिक हिस्सा चीन का है। ऊर्जा और स्वच्छ वायु अनुसंधान केंद्र के अनुमानों के अनुसार, अमेरिका को सैकड़ों अरब डॉलर का राजस्व प्राप्त हुआ है, जो आक्रमण के बाद से कुल ईंधन खरीद को 367 अरब डॉलर से अधिक बताता है।

लिए अमेरिका समर्थित शांति प्रस्ताव अधर में लटका हुआ है और कूटनीतिक स्तर पर बात. चीत आगे बढ़ती नहीं दिख रही है। रिपोर्टों के मुताबिक, ट्रम्प ने रविवार शाम को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात करने के तुरंत बाद यह पोस्ट साझा की। दोनों नेताओं ने अपनी बातचीत में ईरान के खिलाफ फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू करने की संभावना और ट्रम्प की हालिया चीन यात्रा पर चर्चा की। ईरान पर अमेरिकी-इजरायली हमलों के बाद यह संघर्ष 28 फरवरी को शुरू हुआ था, जो सात अप्रैल से लागू एक नाजुक युद्धविराम के सहारे थमा हुआ है। हालांकि, शांति वार्ता में कोई प्रगति नहीं हो सकी है। इस युद्ध की वजह से होमजुंग जलजलमरुमध्य की पूरी तरह से नाकेबंदी हो गई है, जहां से आम दिनों में दुनिया के कुल तेल निर्यात का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुज्रता था।

**अमेरिका में एयर शो के दौरान दो लड़ाकू विमान टकराए**

**वाशिंगटन।** अमेरिका के इडाहो प्रांत में आयोजित एक एयर शो के दौरान दो लड़ाकू विमान हवा में टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गए, गनीमत रही दोनों विमानों के प्रायलट सुरक्षित पैराशूट के जरिए बाहर निकल आए। अधिकारियों ने बताया कि चारों कर्मियों की हालत स्थिर है। बीबीसी की एक रिपोर्ट में अमेरिकी नौसेना के एक प्रवक्ता ने बताया कि बाईंग ईए-18जी ग्राउलर विमान हवाई प्रदर्शन के दौरान एक-दूसरे से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि समय रहते प्रायलट सुरक्षित बाहर निकल आए। यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें कोई चोट आई है या नहीं। यह दुर्घटना रविवार को 'गनफाइटर स्काइज एयर शो' के दूसरे और अंतिम दिन हुई। एयर शो माउंटैन होम एयर फोर्स बेस से लगभग 3-2 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में आयोजित किया गया था। हादसे के बाद मौके पर आग लग गई और एयर बेस को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया। मायले की जांच शुरू कर दी गई है। माउटेन होम एयर फोर्स बेस गनफाइटर्स ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि घटना में शामिल चालक दल के सदस्य स्थिर स्थिति में हैं।

**पुतिन की चीन यात्रा में वैश्विक मुद्दों पर होगी चर्चा**

**पुतिन शी जिनपिंग के निमंत्रण पर 19-20 मई को चीन की यात्रा पर**

**बीजिंग/मास्को।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बाद, चीन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मेजबानी करेगा और वार्ता में रणनीतिक साझेदारी और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा होगी। पुतिन चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर 19-20 मई को चीन की यात्रा पर हैं। दो दिवसीय यात्रा के दौरान पुतिन और शी के बीच द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ अन्य महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर भी बातचीत होने की उम्मीद है। पुतिन चीनी प्रधानमंत्री ली कियान्ग से भी मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं ने फरवरी 2022 में 'बिना किसी सीमा' वाली रणनीतिक साझेदारी पर हस्ताक्षर किए थे। रूसी राष्ट्रपति की यात्रा से पहले, शी और पुतिन ने रविवार को 'बधाई पत्र' का आदान-प्रदान किया। ये संदेश अमे.



**दोनों नेताओं ने फरवरी 2022 में 'बिना किसी सीमा' वाली रणनीतिक साझेदारी पर हस्ताक्षर किए थे**

रिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की चीन की उच्च स्तरीय यात्रा के कुछ ही दिनों बाद आए हैं, जो चार दिन पहले समाप्त हुई थी। चीनी सरकारी मीडिया में प्रसारित बयान में शी जिनपिंग ने कहा कि चीन और रूस के बीच सहयोग लगातार गहराता और मजबूत होता जा रहा है और उन्होंने यह भी बताया कि इस वर्ष उनकी रणनीतिक साझेदारी की 30वीं वर्षगांठ है। सरकारी मीडिया टैल्सॉइड ग्लोबल टाइम्स में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि अमेरिकी और रूसी राष्ट्रपतियों की यात्राओं से पता चलता है कि बीजिंग 'वैश्विक कूटनीतिक केंद्र बिंदु के रूप में तेजी से उभर रहा है'। ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि इन लगातार यात्राओं ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया है, और विश्लेषकों का कहना है कि शीत युद्ध के बाद के युग में किसी देश के लिए एक सप्ताह के भीतर अमेरिका और रूस के नेताओं की मेजबानी करना अत्यंत दुर्लभ है। रूस के

**यौन समस्याएं**  
**यौन समस्याओं के विशेषज्ञ**  
**पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें**  
**डा. सम्राट**  
**नशामुक्ति, शराब, बीडी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीडॉन केज्यूल अफीम, चरस, डोडे पोस्ट इन्जेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।**  
**नावल्टी सिनेमा चौक मुजफ्फरनगर (यू.पी.)**  
**M-9412211108**

**RECRUITMENT 2026**  
**THE S.D. DEGREE COLLEGE**  
 NIRANA, JANSATH ROAD, MUZAFFARNAGAR, 251001  
 (Affiliated to Maa Shakumbhari University, SAHARANPUR)  
**APPLICATIONS ARE INVITED FOR FACULTY POSITIONS**  
 (Asst. Professor, Assoc. Professor & Professor)  
**DISCIPLINES**  
 • BBA, BCA, B.Com. B.Sc. (PCM,CBZ, Micro Biology)  
 • BA (Hindi, English, Political Science, Sociology, History, Education, Drawing & Painting)  
**QUALIFICATION**  
 UGC NET, Ph.D  
**SALARY**  
 As Per University Norms  
**APPLY WITHIN 15 DAYS**  
**SEND YOUR RESUME TO:**  
**thesddegree@gmail.com**  
 Attach copies of all degrees and testimonials.  
 Paste a colored photograph on the CV.